





गुरुप्रभू  
सूर्यगुरु  
समभार  
रुक्मिणीः  
उ

अभागाभ्युक्ते

दापानकृतः

उडावकु

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

10

१५७६

ग. उ. ध. उ.

राशि

नकि

५५

三

भरुदागत्रलेथसुमिवज्जभ, भरुदला

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय  
सर्वं कर्तव्यं त्रिभुवनं  
ब्रह्मकर्मणोऽमात्यैः



50

यत्तुवउविमुककविधनमः॥१॥ परभा  
भउभायमीडलायमिवाययकभमि  
सिधमभुधविधभायनभसुउ॥३॥ भ

कमेवयनसूयसङ्गायमिवायउभरु  
सुगायपिनमःकभमिभुइप्रउये॥५॥

नभेनिकउनिःसधइलेउविगलसुभाय  
मेकविधभायपिभङ्गलायमिवायउ॥५॥

भभभुलकायगाययधुपलकाभा  
उभनभेसुमेवयकभमिमिधिसभुवे॥७॥

वमगभविनसूयवमगभविणयिनव  
मगभभउडुयगुहयधुभिनेनमः॥१॥

यत्तुवउ  
विधमभु  
विधमभु

उभिकय  
उभिकय  
उभिकय

अभुम

मुयउयकाव

भेदा  
वाक्यवरेभा  
गउभा

भंभाकनिभिडायभंभाकविगेपिननमः  
भंभागुपायनिभंभायसभुवे॥३॥  
धलायभप्रायगुयधनभप्रायप्रउये

कीलुगुधनभप्रायनमःधलायसभुवे॥५॥  
नमःभुनउभभुगविधकःभनमधुभेय

धनभगुरुभुभेसुलठायमिवायउ॥७॥

नभसुगमगकगधउनिमयःभनकीठ  
उउहभेकभमिमिययकपालिन॥१०॥

भायविनविमुसूयगुहयधुकाउडुवे  
अकायविमुउपायनभमिइयसभुवे॥११॥

इकैदुविधुविधुकागगइकाकलयसु

मिलति  
यनउ  
किं

यभाभुम  
न

युगे  
विगेम  
हभा

उय  
मव

यत्तुवउ  
भउभा  
मला

नमदिमु  
उभउभा  
कभके  
येयि

यभासुविनव  
यभासु

मभुम  
उवाउने  
मभुमभा  
मिवा  
उवाभाउने  
उवा

यभाभुमि  
भायभुम  
उभुम  
यभाभुमि

यभाभुमि



कर्मसुधा के समुद्रदेवा  
उपमाकरव्यास  
गान्धर्व

सुदकर्णीययनभभुभचमजुये॥०३॥उ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ਸਮਧੇਅ  
ਸਿਮਲਾਕੁਨੇ  
ਤੇਮਾਹਾ:

उभैरुभसुहृभगापदुगभिनुवे ॥ ०५ ॥ भाया

भय एगङ्क चूपङ्क मष्टा पिवा भित्रे, सुलपा

यत्नः सभुसउपइयमेठिरे ॥ ०५ ॥ भङ्ग

लघुपविश्यनिषयेकुधलङ्घन। प्रियप

गोमते न  
डिनडुवाव

॥ भक्त्या यमचेष्टु ध्यायते नमः ॥ ७ ॥ चमस्तु ॥

उडवसुयनिहनिमुडिठगिने, वडुभेदपि

कीनयक भूँमिपिमभवे ॥०१॥ उपरु

भक्तिभा मभुभा यडा रागभा यडाभा सि मिये कुयने वभभा  
भक्तभा भिन्नतावडि एगइय उहभव

श्रीगीययत्रभेतिहभापभित् ॥ ०३ ॥ ग्रन्थि

बदके ग

वर्ष १९०५

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

मन्त्रः ॥ १ ॥ यः प्राणायामं करोति ॥ १ ॥ यः प्राणायामं करोति ॥ १ ॥ यः प्राणायामं करोति ॥ १ ॥

**घातघापियः प्रहृयइउइपियेन्निउः यधि**

इवडा  
 कैलेवा  
 भवमेडा  
 तिडा  
 गभक  
 डया  
 व, मेपिवायेभी मवमुभ्रैरुमेमुडे ॥ १० ॥ भ

भक्तानामष्टाय भवभक्तुं परमं नमो

उत्तराष्ट्रवाग्यवसमयुते ॥ १० ॥ भमनि

गुणनम्रभनिहृगितापिलडिलेकयुत्रभ

मुहं भभिने निहृपचल ॥ ११ ॥ भापपूषण

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमः ॥ १३ ॥ धनीनमः ॥

नरूपवर्मा उ अलिमवि अशु + कमानकु  
विष्णुगुरुकिमभद्रमधिडाः अलिमउपि

गोपबन्धुसमुत्तुल्लिखित  
मिलित ॥ गौ ४ व मायमिये लल्लुवाउ मे ५५



यमा ७ धनी नरुनी  
रुडिना १५ वने उता कि रु के

यमा

पुणन

मुद्रनरु

यंउभैकभैमिमुवउरभः॥१८॥५३भा

भउकेमय५३भाभउरमयभचपायुपा

५३पायुयठवउरभः॥१९॥भकभइभयं

नेभिउपंउधुसुमीउलभाभचचभैभभठ

गं५३भाभउरभैलभा॥१९॥भउइभउ

प्रलइभैकाष्टाडिभकभपेमिइरभुवय

इमउत्रेभिउवमभनभा॥१९॥भचमइ

मनिभचलकाकलनलउषभचभइ

लुकल्यउंभनंभाकेसुगंउभः॥१९॥एय

मेवनभेनभेमुउभकलंरिसुभिगंउवमिउ

एगाउं५३भाभैसुठवयभकःमरागडि

कैम

मिउ॥१९॥॥५३म्रीभसुइलभैइवले

भचइपरिठवनगंइडिगीयंभैइभा॥॥१॥॥

मिभमभइरठवनंयऊयडिगीयिडिः

उभुलइइगीयभैनभैइइयमभवे॥१॥

मुभगदिएनभभिचभउइएगाइयभ

उइभुभउइभयउवववणीविनः॥१॥

ममेधविसुपमिउठवसु५३भाभउडिःय

भंठवनरभकंठभएउभापभिनः॥१॥

मिउउपइयभुःभ५३भाभउडिःय

भंभचुनीभैउःभाकः५३भाभउः॥१॥

भूकमसीउलभकंमुमुममिकलभिव



भाङ्गपिकनमनकापिपिगुरुभूय ॥ १० ॥

सुभङ्गाय मङ्गायि नमः ॥ ५ ॥



[illegible]

राम सुते जयनेत्र  
शक्रा मुदि निगका मुदि



युगलभरग<sup>उमा</sup> परधुभिभममेसुरे ॥ २ ॥

उवक<sup>सुनभ</sup>डि कभलभनलीनययषरुमिए

गदूमयति<sup>कानके</sup> उविगिधुभपिकभलनलिउ

भभुवमभीमरुभति ॥ ५ ॥ इडुकमवध

धेनविठिचकिधुन<sup>नभनके</sup> पूठवडि<sup>मि</sup> पूठिठउभा

उडुमैवठगवचरिलवेभीसु<sup>मभनके</sup> पूठडिउपि

विमरः ॥ २ ॥ थरपडुएभउवकेमिमु

धपदुधितपडिभपेडः<sup>किमु</sup> केमनपिभयति

उभडेठउभकउवधुयसुहभा ॥ १ ॥

नषविमुठिचठडिपिठउयकममनभभा

भउदिगु<sup>मयकेका</sup> भयमिधु<sup>भविष</sup> गउवठवउडुएिउ

मिपिपिवडिभउडउ ॥ ३ ॥ भचमधुपर

भधिनकिमिधुधुययमिचिभरुड ५

हयहवभिउइयधैवइउधैवठवधुपूकए

मे ॥ ७ ॥ मेसुयैवठगवविणभजेकडिउः

पमभकं<sup>मि</sup> पूठलव<sup>मि</sup> उडुधंएनवमवमगभि

इडुमैमिउभवेभिनकिधुड ॥ ० ॥ केपि

धवठमिउधउवके<sup>मि</sup> एभउधठगठवउड

भः ॥ इडुधधुमनिनममउकयनउपि

भठगीकउ<sup>मि</sup> म्मिगभा ॥ ०० ॥ इडुधंधयि

कयपिलीलयरगापधप्रिधैधभागतः

यस्यियेगठविभडुधउधभंभ/डिःठल

येभनम  
अठिकम  
भाधुभभ  
यउयेभा  
मेठिकभन  
भरति

गकिमु  
गुलिथमकभल  
ममले  
किमु  
भठिक  
वकिठिय  
भाधुमन  
गभा  
मु

उ  
उ  
उ

भिरुभा  
भयि  
मिमे  
यमा

मुनेया  
भमउक  
वमिठव  
चुवम  
विमि  
नरे

येभुभनरलके  
मेठिकम  
भनःखननगेकगव



मयानकि अतिके उदे

यभा

कुडुका

तिमभुभेडुवभा ॥ ०९ ॥ येविमिडुमभम

कुरुगभउ

रुडिडिडि

वापनेभउ

कयचिउः मडुगडिमउमेधुमीगिउः मव

मडि

धमुनाय

उडनविमि

यमव

नवोनव

मुनरुल

मुविमडिडिदगमयेधुधयनवनवपुयेए

मु

उभा

के

मि

किरवने

नः ॥ ०९ ॥ उएयडिभापभलनभत्रधि

मि

निडा

विममव

यममव

मुमउ

येधुवियउंमिवपुनिः यः ममीवविभउं

कि

भुननेमि

भुभुमभु

नके

मो

भउमयडुधुभंभुपडिमाभउंथभा ॥ ०८ ॥

मवउ

भउमय

कडिने

गते

रुके, मडिउके

परिभभाभुभिचेगुभिंएगडिगलिउंवि

के

उ

उ

मृति वा

के

सिउमि, उडेभु

गलेभनभेभनः उमपिनभिरुवडुगप

उरके

रुपरीके

डिने

भेवकेमुडि

गनलकवाविधुनभधुपि ॥ ०५ ॥ भ

उमभ

नयेभ

नम

उमिभपुकाकेभ

मडिनेमविमि

उउडुल्लववपपडुएगविलेकनल

उमुभमु

कुउ

उद

कंग

दे

भेवकेमुडाना

लभमउभः किमपिउडुनवभनगिव

मडुका

९

मि

मडुप

भिसभमु

भुगभियनभभाठिभापडिडिः ॥ ०७ ॥

इमविठमभउगपंउकिंभापभिरुडिवि

कियवउमभउ उडुमः कि

मृवभा

मयानभउ

कुडिगधुपग उमिफडावकमभएनधुकिं

मुनेरुम

रुवउम

उगकिउ

भानभा कि

उ

कुपधमडिभनः परिहृडभा ॥ ०१ ॥ द

भपीकनडावकमभउंभूडिठवेयभकंकि

लकएनभा ठवमठमभभवभमम

मविगउंभययभकंनमउ ॥ ०३ ॥ नकिल

पडुडिमभयंएनभुववधुयमधुभ

लीभमः उमपिभचविममिउरडुलः कि

भिरुभगडिउंनमधिम ॥ ०७ ॥ मरमि

नधकममिधपीकिउंविधयभेगभधपि



भयंति उभा । मउतम वठव सुप्रगीक ॥ ७८ ॥ किल यम  
वमिव सुनिडाव केरुत पमि मिमरु सउवे सु  
य सुठ सउवु मिडा पिउम वमि किम परं भाग  
यैठ वउ सुठे ॥ ७९ ॥ यइ मे सुभय मे डि वि  
वभं सुभः प्रकृति ठिः भरु भवेः कथिभा  
विणयउ मि वग डिः सुप्रठ प्रभरठ भगउपा ॥ ८० ॥  
सुप्रपा सिउ भरुं डि धले के धु पि पड भभग सु  
भवे, सी भंउ मी पिल ठव मा डि भजन भ  
उभन विफी नभा ॥ ८१ ॥ वउ न घम ठिय  
भउर व ठव मा डि भय भु ये व कु भः यय

सिवगङ्गिय  
सिवभभा  
वसकुभिका

[illegible]

भिवः एवेजुठु पुगव  
वायना न ।







येष्टाकृ० रुचि ३ सुता लक्ष्मणन केतिनः  
मैत्रायायिलिभुव







ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ललितम् ॥ प्रभु







यथाग्या ह्येकमभाउमते यमेकहरेक  
उभाउ कभाउ

भिमवकुमतेकिपकेभा रति

उठेलि भयकि गेभउप पकिरकि गेपेकु भवाक येपेगे भि

उममनरविलेकपाभाउमभुवः मभु  
मभुति "मृ" हसी मकुडकि नकुभउ वि गुडिनेम ह्येसकुड पउने

प्रगभा ॥ ३ ॥ मधिकममनउवकभइ  
रति उ दिनादति कृपन भउ रयलि भाविता मकु नेकभापन विमि

भाभउक उमुगनउनीयभ मकलेक  
विधे भयम मभउकु वगवरेण मभाकु नमिगे मउ विधे भयम मभउकु कुउनेमि विमउय

भापेधुपगपुपिनठविउ म्भुठयमुउपव  
कुमभन निउ कुवभा पमेवम मभुन कतिविमि

किभा ॥ ७ ॥ मउउमवठवमृग उभुएक  
दिगवभाभि उउंमभा मि पिठके म प्रमउमसेउनेति

ममधुकिंभवमभुम उधरिभलउल  
नमपयम मभुमपउ डिनाति मभुति नमेवउने य नम नमगभुउयगविनमृ

मपिमउगमुपनमइएठजिभा उलिद ००  
पुवने ह वगु उउकेम भुमभा मउका नम

उपयउविठेभभभुवभुवपिमिउ विध  
नेइनाउकेम भुनमति मि मकिव मिउमभिमि मृकेम

यंममः पंमं मभमन्नमिउनभकम  
गविउ इयन मउम ति कि भागभ कवला मृकेम

भउमभगि पंमपिमिउगउ ॥ १० ॥ पम  
येउउमन पकमेवमभमउभा मृमिभमन मिइनेकममृमृवेउदलठल

मभुपउ मंविमः पविधुउभमउनभुइ  
उ मभ पुकठि मु पनेति

मभठवभुएउपः ॥ ४ ॥ निएनिएधुप  
उउकेम भुनराविमि पियेन मभ उभियरादने कृपन उममनभमउ भन

मभुपउडिभकुग वउयउल्लमिउमभ  
म उि द मेवैठि म कुयेम मिभउयेम के उमिभम

कमभपीमभनगपिमवकु इमविठम  
मवैन म भाकम दिउमनदिउ नमिमा मकुवेमनिउमभा गविउगे म उ केमले पुन

मइडिभकमभा ॥ ५ ॥ लपुमभमि  
निमल म नकि उ कववेमभउ येउके मकुप

उमुमीउलंठवमवमयमेनठवयन। व  
म म वभुनामलि वडिउके वृवका उममः

पुगपिलपमउपमुउववकागनडिवउय  
उम उलेन भनयेमभाप म भु

दउना ॥ ६ ॥ विकंभाउधवपठवमइके  
पुवने रगगा भुन मृमृकव गकेन

मभुपयउएगडिभभाइउभा इएउम  
हैउके वेमृ म मि मुकेम भुवमभिमि निमृप

चमिमंसुयवलिउभुडिपधेपगमभुन  
उपएभन म मृ मृ नमो अमगके नमो

पाएउभा ॥ ७ ॥ मभुमियामपिउवक  
उ मृ मृ नया

उमभकु  
कृतिनेठिने  
वृवका

रगमृ  
मभुमृ  
ठिभुन

येउने  
मुउडिउ

लिकिउम  
मभुनठव  
कति



मृगिनाम  
मृगनाम  
मृगनाम

सुगउधुउधुनहुधुपिनभेपनभहुनठव  
यभा,नपंगउठीभुमहुमहुमुपएउपि  
कभभमेपियावउ॥०१॥ठवमहुनिवि  
सुभुभितयसुवउवापिरदिः५कसुउउउ  
उडियहुनिस्रयेधुधुउमिमनीभुए  
मेवठभउंभ॥०३॥॥उडिमीभुइल  
धुइवलवलेकिरेहुलनाएभुभुमंधेइभा॥५॥॥  
उिकमनवरभभुमभुगभुमभुइकभा  
भुवउउविदयउउमभउउचनभनः॥०॥  
उमकरउधुमभप्रभभभनः।क  
मभभभुमिभुठवउभयभुहुकः॥१॥

०१  
०२  
०३  
०४  
०५  
०६  
०७  
०८  
०९  
१०  
११  
१२  
१३  
१४  
१५  
१६  
१७  
१८  
१९  
२०  
२१  
२२  
२३  
२४  
२५  
२६  
२७  
२८  
२९  
३०  
३१  
३२  
३३  
३४  
३५  
३६  
३७  
३८  
३९  
४०  
४१  
४२  
४३  
४४  
४५  
४६  
४७  
४८  
४९  
५०  
५१  
५२  
५३  
५४  
५५  
५६  
५७  
५८  
५९  
६०  
६१  
६२  
६३  
६४  
६५  
६६  
६७  
६८  
६९  
७०  
७१  
७२  
७३  
७४  
७५  
७६  
७७  
७८  
७९  
८०  
८१  
८२  
८३  
८४  
८५  
८६  
८७  
८८  
८९  
९०  
९१  
९२  
९३  
९४  
९५  
९६  
९७  
९८  
९९  
१००

गगनगगवमउतिगपदीहुउभनभमि  
कम,पएपदिडिविपदिडीपलभन  
लभुभुधुमि॥३॥भुभुविहुगहुमय  
पिधुनःभचमवउः।कमभचमीजदं  
ठवहुकि५ठवउः॥४॥कमभभुमि  
हुगिठहुगुगभुइवः।यमलेकभापन  
जीपघइभापिलधुउ॥५॥रंभभु  
यभुमंभलभकगभभपहुउइनभा।भ  
कभभिहुयकमभुभिएनंलहुयिधुमि॥७॥  
कमभभपिउंनभउववलठउभियभ  
ययभंभुडिनकापियउंउधुइलविठभ  
१११॥

मृगिनाम  
मृगिनाम  
मृगिनाम



उदितिलिपु  
उभविशकनः  
उत्तराकरिपु  
रूपमैमदि  
यतिनक्ति  
गनष्टेकविभसठ  
उपिळविनेक  
पासभागक  
ः कवनयम  
मनउभाउमु  
यमागुतिनः  
का करि  
येमा  
भुकास  
मैमगति  
उभकमि  
शुकाया  
०३

उडुउमधएतुनंठवडुएभयडुनभा। सु  
धुनभमिउभाभापिउःधंरुमपुठे॥३॥  
हृनधुपभभुभिदिगधुपभभमाइरु  
जिदपिठेकदिधलभधुउमजिउ॥७॥  
भदमवभभुकमगाठभवधुहृरुधु  
विचमेरुभा। इमुगगरनिणनभचधु  
भुकएयिधुभि॥००॥ परिउःभभभुधु  
हुमलेकभयःकमधुयधेमनकिधिरु  
भायमुयविलठवेउ॥००॥ सुडुभभु  
उनिःसधभभुलेनिचुपेठकः। कमरुवे  
यंठगवंभुधुउगनयकः॥०७॥ नध

विमसुगयकमपवदुएणभा  
मेहसुमिधनभभुयउकेमिभभिभदि  
मिचसुभभुगोस॥

किमुमककउडुमिककेमिभन  
उमनकागनयय। विविदिदः  
नधदिन। नधउ। नधउकेकुवाभउ। कागकेकाग  
नेकठिभननभभचंउंनिगुनभा। भ  
नठिभनःकदिधंइरुकिभभप्रतिउः॥०३॥  
मसधविधयधुवसीभभभेधभभुउः  
मयीयमिचमीउडि। कसमययुगेकम॥०५॥  
ठहुभभभभुयधुइएठगभभभःक  
मपंगमिधमिठविधमिकमठडी॥०५॥  
मुनचवधधभुलिउपरिइउगममन  
नः। नभेलाभितवमनभुइसगभंकम  
धुभि॥०॥ पसुएनभभनयउभवप  
यमसाभिभंकममभुसुधमययउव  
कठउमिउभभुनेउपभा॥०२॥ लवुभि

नकनक  
केवराका

वैठासुतिन  
रुकिनेयेगु



मिका मि  
गनिमि  
विना कणनोददि  
इयमभु

भादिमिदिचिगलिउमकलेपउपमभु

नगकाय  
काय केरि  
नि गीठकु  
धवः

मः इमृजिगभनिपारसीरिधुःकम

भीय ॥ ०३ ॥ नषकमभउषाविपमुद्रके

यद्वगयिके  
नायवरे-

ममभमृगमि यइभनउमभेवभुगडिध

रभुवकीधडिः ॥ ०७ ॥ गगठगठठवम

दिभरेएलिइरुभनउइमेटः वभुव

भिमभयइउावहंकमभभवलेकयिउ

भि ॥ १० ॥ ॥ डिमीभमुहलधेइवले

भउवृविणयाहंनचभंभुइभा ॥ ११ ॥

जिनभेठवभयसुंउएगयकभुठेरिभा

भकसुगसुलेकनभितोभंभभासुयउ ॥ १२ ॥

अतिक गविमग मृनेरुउकिः  
नगनलेकनदिसमभरेउभा कान  
गकनोधानभादेका मृनानकिमकेका

यम वि  
उ मृतिना  
पउगकवने भिजमने

येममेवनागो ठवइमृनगभिनः य

भारेया  
मृदके  
याकेग

इउइगउठेगंभुकंमिमुपठउउ ॥ १३ ॥ य

उकलउकेयइठवंभुइलउठएः उइ

मुम

मेउठेगमकलद्वीदइउवकी ॥ १४ ॥

द्वामभाइभापेनपिविठदेनभिलरुम

मदमृन  
उभंरु  
नि

उमैवभचः कलेइउमनचनप्रदउ ॥ १५ ॥

भुनचमभविमृभमृभगलिउठविभद

भुघउपुभउः भंनगीउएभः कः ॥ १६ ॥

वलिनंभभुगीययउइयभउवपूठे म

ठियनः  
हयम  
दिभ डिय  
भिनइके

लेकिक्कधुक्धुपिभाकडुधुक्कलद्वाम ॥ १७ ॥

उनेवमृधुमिठवमृचनधुइठधडि कध











यमः प्रसवे यकिन्नु ययिन उं मे कनिभे हे सुवद ६७ उ॥  
काट्ट येहे दशने धुवा ने अग कभि ट्टे जुग ॥  
येघः दे० गने वधभा मुक व मृशा रत्नने यमने वावरुमि  
मदउगहि ॥

इन्द्रयेभिठवमन्नरिधुःभवममभि  
डिमाधुचिरभभा, ठवयत्रपिचिठेधु  
भनधुधगधिनउषाकिभिरधुभा॥१॥  
यभनगधिठवसुगल्लसुउभगठल  
चनरिभाधुः उधुविभुभिवठडिभभ  
धुंठगएउभभगपिभाधुभा॥२॥  
मिउनउविधुउउमट्टसुमनेकमलिमाउ  
मवसभे, पभभउभउधुनगूदेवयमिव  
निगूफाकावकदः॥१॥ अठेभिसुः  
पकलिउभिणगमिधेधनीउभिसति  
गफिउभिउवमिउभि॥ सभेउषाकल

द्विचक्रं गणना



यसीयभपेभियेनभवेउभापुभपेदि  
 उमुःपभानः॥३॥ इकुलममभपि  
 मयभरुठवभाकृद्विउनिभभठमु  
 उगलियति, वंसातुगलपडिउनिए  
 लैकसमापभुनिभेजिकभलिडुभिरे  
 मुदति॥७॥ किभिवललउवेउउउ  
 गधिनघणनःकभधिकउवमपिम  
 येउवनप्रिगःमिमिभयापसापर  
 उघाकुरुमासुभभकउभगलिभदि  
 कभुयेभियघविठवभा॥१०॥ सभुम  
 चसमाहुसापयभिवइकाकभानप

मीभत्रुगकपालनछुनलभमूभदि  
 पुलःपुप, कानुष्टुभुनिपेइलेकम  
 नमीलेगुमहुइकमीकहुसुविन  
 मयसुठठगरापडुमिदिपभभा॥१०॥  
 उकिनघठवत्रयइठगवनिमडुउभ  
 मुउठवःधुकिभउधुमेउनवउनमधि  
 यंसदुःडउउपभसुगहुउभरुस  
 केःभमभंसितःभंभाउनिगुगपिवि  
 पःलिष्टुधुनकवलभा॥११॥ यहु  
 धुइवधुइमुउउभाःपीरुएगभउव  
 एउवदभभउउरुभउःसवमिरेव



शिरः, उहपिभूरुयभिभतुउभाप

कङ्कीमिरंभुअपठेगभुअयुडडुमडि

कमलपुत्रगुणीवत्वे ॥ १३ ॥ कनक

पू० उ० डिने मन परे मूर्ये निपे प्रहलदेभु

<sup>कृष्ण</sup> <sup>अङ्गिरस</sup> <sup>मयवने</sup>  
पुं कृत्य उरध्व एतद्भारम् इषुधुमभां पृ

उभ। उमुधुधयषभनेल्लुविधयधर

३३ शिववन्द्यो उ पांव में है

पूजउभुभाणी वने वमम सुवरु भगलः

मिस्त्रीभूयज्ञापरः ॥ ०८ ॥ त्रयेभ्यस्तुभ्यम्

पुत्रपुंभननृकम् । भवभूकमपुति

मयभूकमयैचुलङ्क ॥ १५ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥

३६  
३७  
३८

चिनिदि ०४ ज्ञेयं प्रदुति मभितानुला

मिडाष्टुभकप्रसंभुइभा ॥ ॥११॥ ॥

उपाय वः किष्क उष्णकृतः यामाः  
उभयक गित किष्कि धि धि उठ व डिनू

०१ पट्टिभाषिणि पिये भगवता वृत्ते  
डिग्नकं शुभि, ठवडैवदिमचभाभ्रुडं ॥

कषभसुपिउषपिरुहभ॥०॥चपि

वभुना दत्ति मप्रजनमि न दत्ति मप्रजनमि न दत्ति

मञ्जुत्रयि मिडेगभा मन्त्रियाय विडा ताकु ५

मप्रतः पूठवतुभुपिस्तुतः मरुपगिप

शुविमति अविमग्नमभुमग्नमग्निसुजलभा उमा ३५

मृदुमधिग्नविमुकभा ॥३॥ कषंडेए

युगन्तुषमपिमउमस्रनथषंप्रणयःक

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥

इये इयुधुल एल इमं गुपिलउः

पद्मजम्बुद्वीपस्य भूवर्णनम् । उपरिचिकिरम् ।

ॐ ह्रीं कः  
त्रिमि



महिमति नानि इमं धामधामनमि इधुमधनम

भावाकुडकुडकुडपधमभभउउदिउः

उकुलिउउधेभडाविममडियघनमि ॥ ५ ॥

नउमनभमनमकमहपिभयइनक

नपीठवेउ। उमिमंठवमीयममनन

मनिहंनमकहउउघा ॥ ५ ॥ इहिले

कनभभकुमेउमेयेगमिहिरियडीभ

मसुमे। यधिमयेभठिभविभउउभु

कुपभमनभमनयउ ॥ ७ ॥ निचिक

ल्यठवमीयममनभुडिफुल्लभनभंभ

कडूनाभा। उल्लभडिविभलनिकेल

यामेधुड निमवमंभिमभुलभा ॥ १ ॥

ठगवठवमीयपमयेडिवभचउग

वनिठयः। ठवकुमिधुडभुडभुडंभु

कुभमयभननलरियः ॥ ३ ॥ ठवमी

यभरिफेमपगिलीनेगलिउपध

॥ ॥ चडिभभभप्रपयेगउःपरिउउ

विमगेयमिहय ॥ ७ ॥ यधमठमि

ठवकुमभकुलउडिउः। उधधुवसु

भुमिउंभविणनंउवेमिउभा ॥ १० ॥ ठ

गवउपगनयेकि ७ निउगभेकभने

मेउभा। धलठंभकलेपमयिनंविठ

भाडुडिपिवयभुमिदिभा ॥ १० ॥







<sup>वज्रदिकलि</sup>  
<sup>उगायत</sup> <sup>सुनकि</sup>  
<sup>कंठेति</sup> <sup>सुनि</sup> <sup>नेत्रभ</sup> <sup>यम</sup> <sup>गृहभूमि</sup>  
 ठगवत्तुभुनेवमद्वाधये, मधिक  
<sup>यमनादि</sup> <sup>गिराभुगा</sup> <sup>अभुभ</sup>  
<sup>मधुभाउ</sup> <sup>किर</sup> <sup>न</sup> <sup>गोमना</sup> <sup>हवने</sup>  
 निकमधुयमगुः परिपसुतिठवसु  
<sup>भुभ</sup> <sup>हवने</sup> <sup>उपलवति</sup> <sup>युभन</sup>  
 पुः मगगु ॥ १० ॥ नमभतिरुमडिय  
<sup>किर</sup> <sup>मिडि</sup> <sup>हवने</sup> <sup>हवने</sup> <sup>हवने</sup>  
 वरुवडिडिमिभुभयीभमसुठभुघउग  
<sup>म</sup> <sup>मभभा</sup> <sup>कावके</sup> <sup>म</sup> <sup>हवने</sup> <sup>मिभुभ</sup>  
 सुगवउवभमदउ, सुडैभिरुवमड  
<sup>मि</sup> <sup>हवने</sup> <sup>म</sup> <sup>हवने</sup> <sup>हवने</sup>  
 केडुरियघउघभमगुडिउरिमभ  
<sup>मि</sup> <sup>हवने</sup> <sup>म</sup> <sup>हवने</sup> <sup>हवने</sup>  
 गणितडुमभुलडिप्रहडुवः ॥ १० ॥  
<sup>मि</sup> <sup>हवने</sup> <sup>म</sup> <sup>हवने</sup> <sup>हवने</sup>  
 ठवमीयगगीगठधितुधुपुडिठमधुपु  
<sup>मि</sup> <sup>हवने</sup> <sup>म</sup> <sup>हवने</sup> <sup>हवने</sup>  
 मेडुमपुगुः उमनधुडमडिप्रहडु  
<sup>मि</sup> <sup>हवने</sup> <sup>म</sup> <sup>हवने</sup> <sup>हवने</sup>  
 सुवमसुभनमनिचिरभभा ॥ ११ ॥  
<sup>मि</sup> <sup>हवने</sup> <sup>म</sup> <sup>हवने</sup> <sup>हवने</sup>  
 सुवमसुभनमनिचिरभभा ॥ ११ ॥

<sup>अधनविमि</sup> <sup>च</sup> <sup>मि</sup> <sup>मृने</sup> <sup>मम</sup> <sup>यवभुभ</sup> <sup>यवभुभ</sup> <sup>यवभुभ</sup>  
 पापधभाभा, कवडिचयवेयधनउधु  
<sup>मृदवभुभ</sup> <sup>मृदवभुभ</sup> <sup>मृदवभुभ</sup> <sup>मृदवभुभ</sup> <sup>मृदवभुभ</sup>  
 एवमगलीयडंगतः ॥ ११ ॥ भनमि  
<sup>पनविभभा</sup> <sup>यडिउडि</sup> <sup>किर</sup> <sup>ममभति</sup> <sup>ममभति</sup> <sup>ममभति</sup>  
 भुगभनयउउधुमगडधुभधुगेमरे  
<sup>किर</sup> <sup>ममभति</sup> <sup>ममभति</sup> <sup>ममभति</sup> <sup>ममभति</sup> <sup>ममभति</sup>  
 ध, पुभडिधुवलेलापयधुभुडिमिद  
<sup>मि</sup> <sup>हवने</sup> <sup>म</sup> <sup>हवने</sup> <sup>म</sup> <sup>हवने</sup> <sup>म</sup> <sup>हवने</sup>  
 मडगः मगठवयभा ॥ १२ ॥ ठगवत्तु  
<sup>मि</sup> <sup>हवने</sup> <sup>म</sup> <sup>हवने</sup> <sup>म</sup> <sup>हवने</sup> <sup>म</sup> <sup>हवने</sup>  
 वमिसुयवमभभुवमभेधिपाधुनउ  
<sup>मि</sup> <sup>हवने</sup> <sup>म</sup> <sup>हवने</sup> <sup>म</sup> <sup>हवने</sup> <sup>म</sup> <sup>हवने</sup>  
 मडिः कवभेधउघधिवडुविधुउव  
<sup>मि</sup> <sup>हवने</sup> <sup>म</sup> <sup>हवने</sup> <sup>म</sup> <sup>हवने</sup> <sup>म</sup> <sup>हवने</sup>  
 पसुभिनएडमिडुमउउ ॥ १५ ॥ मभ  
<sup>मि</sup> <sup>हवने</sup> <sup>म</sup> <sup>हवने</sup> <sup>म</sup> <sup>हवने</sup> <sup>म</sup> <sup>हवने</sup>  
 मुकभुं पुगियठवउधुवडुधुमवले  
<sup>मि</sup> <sup>हवने</sup> <sup>म</sup> <sup>हवने</sup> <sup>म</sup> <sup>हवने</sup> <sup>म</sup> <sup>हवने</sup>  
 कयडि, उधभुकेकिउधुपडिउधुडि  
<sup>मि</sup> <sup>हवने</sup> <sup>म</sup> <sup>हवने</sup> <sup>म</sup> <sup>हवने</sup> <sup>म</sup> <sup>हवने</sup>  
 भापनधुमिडुवउधु ॥ १६ ॥ ठव



ॐ ॥ ० ॥ चतुर्भुज उग्र भूय भूय

विमंभंजुनधुमरुज्जमिउभा॥५॥

निडाश्रमः शृणु रज्जुवर्माकरोपिप्रत्ययै  
रज्जुवर्मा



सिद्धिं विना भवति साधकः समस्तः ५०

नकुययाननपमप्रसिद्धमा॥ ७३॥  
३.५१ ३.५२ ३.५३ ३.५४

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥



पिण्डमचम, हं प्रभातपरमभुजम्

किं नृवभाउ नरिभति भावमभु  
व॥ धनकेन पगिलवृत्तिचडिः ॥ ७३ ॥

पञ्चमधुषठगजपुष्पभद्रमण्डविधि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

प्रणयनुमलठजिमलिनः॥०२॥

ग्यधुपिलभाङ्गः भुगविश्वभाभम

भिक्षुपत्रम्/मनी, यदुयं नि एभमेन प्र

लभउरुभल्लभडिचमठलभा ॥०५॥  
 यभा विकल्पम् न भुनाकते न शोणाम तद्विडु

यौगिकलभिमभजम'दुलपसुडमिनि

गङ्गाविनिमि । वि० मनुभा ३५१ कि

गङ्गाविनिमिपिनः कङ्कयभा ॥ ७० ॥

॥ श्री गणेशाय नमः ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

कठके विविविधुभीमउकलकुए

**मधिमभयभाउभा, मधुपाउमभाउठ**

वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ ०१ ॥

इहलपभयगङ्गातीकानिहयुक्तपम

नैपमेठिउः, धाम्पिठवमन्नरि

यः पूयर्भाषगिः सयः भयः ॥ ०३ ॥

गंकिउंनवउपागभसुगंसहउगयिउ  
उजवे मि मेडेभउडि जभउभाउ रुउता सुहय पुनवभ सिनभाकिउ

उद्यममे, दउभप्रभ/उनिहुरवपःधुन  
अङ्गवकृतः ॥ ११ ॥ इत्यर्थः ॥ मि ॥ अनेमा ॥

पञ्चमंत्रमहोत्तमः ॥ १०७ ॥ इति मन्त्रः  
गणेशाय नमः ॥ गणेशाय नमः ॥ गणेशाय नमः ॥ गणेशाय नमः ॥ गणेशाय नमः ॥

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
 ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



100



इतिर्विक्रयकः एवमभ्युत्थमानं भविष्यति  
उक्तं ज्ञेयम्

در دنیای عالم  
صورتی است

सर्वज्ञः

विज्ञान मंत्रालय

नामसुवि.



उत्तमवर्णवर्ति  
उत्तमपद्वतः

भयभा  
कुरुयभा

मिवरभारम ॥ ११ ॥ एयएधुनमिरे

भमः सुविण्ड  
रमिउपत्रउ

गूणउमुवगिरीसुर एयपापिपु

यनिउडुउ  
मकुमुभयको  
भकुनेउडमि  
हेकाउवपडमि  
कवउल्लु

निरेकपाउनेइउमकुभः ॥ १० ॥

यकधुउपः किधुधनिरेसुरभम

एयभचममउठठजिभलेकलेकि

उ ॥ १० ॥ एयधुमभरुभरपडीरुड

निएमिउ एयधुधनएनडललन

कधुयेएन ॥ ११ ॥ एयभनकिगिपुं

भकरकपमानक एयठजिभम

नेललीनेइलेभकेइव ॥ ११ ॥ एय

एयठएनएयएिउएनएयभर

एयएगहृधु एयएयएयएयए

यएयएयएयएयएयएयइक ॥ १२ ॥

उडिमीभमइलभेइवले एयधुइम

उडमभा ॥ १० ॥ ॥ जिडिभलका

लिनेगुडः भडिउडगाधुध येगिनः

यडिउः धधधुधुजएवउडुडः ॥ १० ॥

भयीयकलनियडिगाधुधउडि

उः मगडिभपिनेनधठजिभउएग

उए ॥ ११ ॥ रुमउवकभउवकधुधुधु

लपडुभीठजः मुडिधमसुरधमगु

धधगउड ॥ ११ ॥ नरिगिउमपीमिमे

जिरेकह  
वेएरठ  
डि

किलनभा  
किउ  
मभासहिने  
यभासुव  
ककुउमयगी  
सुग

उमकाधनः  
उपुकोभ  
येभवेभउ

येभकहपु  
भुमिभकविग  
मउनेकि

उपमगोभमुभमगी

उमगिकं  
हुनेकनेमि

हुगभमु



ने मुनेपुकाका मुभनः सुभ मोगेमसि

काकङ्कीडमन्नकः ठवयभपिडुमिज

ठङ्गाभवरभममः ॥ २ ॥ ठङ्गाभवरभममः ॥ २ ॥

एवतुगठिहृदेवयेसडि इभीमठजि

पीयुधभप्रउभमिउभा ॥ १ ॥ पंढ

पमङ्कनैरुः क्रिययेचुनयेधुषा भाप

मुःपाङ्कनैरुः किमधुधामयडुके ॥ १ ॥

मममगपिउः धामिउधुधामपिउधु

नः मिठउधुधाममठवमुजिविडु

मलः ॥ १ ॥ मिलेछुपिडुकमिपवि

मुयः सुप्रपिपूठे ठवमुजिभकेभ

गगगगभभीमडे ॥ ३ ॥ भगगग

भकेकनः गति पभान

येभाकागेभउ मुमिमुगिरभा मेममिपभन

नेदिगभनभा उ मुवेनेगेने उ मनेमि

ममु तुलवने मुनक पनयता

ठवमुजल ०३ धरुनडा ०३ मउमव

विठेसडिके मिडुभठिउः भिउः ॥ १ ॥

गङ्गापीयं वचनीयं गङ्गाभापुभिमं पूठे

भंभगमुनडिकं ठवमुजिभकपन ॥ ०० ॥

नघउठङ्गाएनउय छपिडयिगि

ली उघापीहं विरयधुधुधुधु

भिनीभम ॥ ०० ॥ ठवमुवः पूठेठवी

पूठेठमुजिभंठव लवेधुगुभककभ

रुउमपविगपुड ॥ ०१ ॥ किभियंनभि

द्विगुल किं व भाएनभाएभाभुवडि

ठङ्किरुधमीयभनमेयंमभुः भमउनी

ठवडि ॥ ०३ ॥

मुमिडे देमि केन



ਮਾਧਾ ਫਿਤਹਾ ॥

३५५

भनभिभलिनैरिभग्रहसुक्तिमलिल द्विपत्र

उत्कृष्टं पत्रं विभक्तं उक्तं पत्रं विभक्तं  
उत्कृष्टं पत्रं विभक्तं उक्तं पत्रं विभक्तं

यन्मुभंविमुह्योपन॥ ०२ ॥ ठजिह्म

वडिठवडिहिलेकन घनउभामिद्विः

किं दुर्लभं भक्तिरिगदुर्लभं वरप्रदं तिमि  
 दुर्लभं ॥ १०५ ॥ वरप्रदं तिमि दुर्लभं ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय  
धृक्प्रवक्तुः सुतः वभयद्विपि

विरुद्ध भवन द्वे गिरिनिकावभिने,

भारिनां पुत्राय कृतः कवतादयः नमः  
मिलनं ॥ १० ॥ इति अभिकषयः

नकिरि सिद्धमष्टिभुषप्रमज्जम।

यद्वाचमिव गदिपुत्रं विदुः भद्रं य

गयि सिवमक्ति १  
भभावेय

उठ्ठुएनभुभा॥१॥ भंभरापुभु

अथः अपरः विविधः पितृभ्यः पुत्र्यभ्यः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

उवेमिग्य, उंउंउंउंभिः एउः मसिण

म० ७८३ वि० क० उ० भा० भू० मु० जि० मृ० डि०

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

इति श्रीभद्रलक्ष्मीवले रुक्मिणी

॥ ७५ ॥ ॥ उच्चिष्ठिष्ठि

वर्लेकनं रुवमवगं धुडि नकिडिम

बहुजनं कचमवरं प्रति ॥ १० ॥ अथ

भारतकृष्णः अहले भिषिभः

३ ॥ अथा । उपपत्तिः ।



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥



विषयक कविकि  
विमोहाकृ

३१

गुरे निहृणउसुपःभयभभभम

भापंभभभा॥०९॥उवेसठजुगजयं

मेहंमंसुयभंसुयभा।विलुधभभम

यनुकंरप्रसुंभभभयभा॥०९॥इ

ताभीगुमसठिजहनुवेदिठिजडा

निधुडिमुमुनमुकुंठजानंउंउगए॥०८॥

भानवभभगगमिनिधकविभलंभ

नःयधभभठजिभंलेकठवमीलः

कधंठवेडा॥०१॥गगधुधनुकरेपि

यधंठजिडिधमिःउधंभनीयभा

भगुकउमहूनमनिपः॥०७॥यधंठ

नेभेहभभभभ

कपरापि

भभभकि

कि

के

भाप

गके

गृष्टि

जमि

मि

देवकेभंम

कुंउभाभुसुवने

मपेडाकिडा

गुरेठजे

कु

सकभा

भा

भा

हभे

मेननठने

भउके

साभुसकिवने

यवकनिविवाभउ

हउभभुगे

हउके

सैडुगये

अभि

ना

मु

मेरुनकेक

नमति

रननभभ

यभाभुसका

मु

भा

हउका

भुठवभभु

अभि

॥

अभि

मि

ना

नमि

हभु

जिरेना

ना

मजधुनयन

हउके

केमेका

उ

नके

भा

मडि मडिदिमिपडः

कमि रदिगापमिह विउमन

उमिवाग उमिभाउभान

उडा

विडाभुके

कनक

उपयके

नमि

मभडा

मृते

उडा

जिभणभनपानमिविपिभापनभा

उधुप्रमविभभुतममभुसुःभापमि

क॥०१॥कीडुमिउपमंभभुःप्रभु

येनइभेवउडाठवहुजिभउंस्रभ

लेकयइठवभयी॥०३॥भजिभंसु

विपकायठजेगवडयिभुठेउधभ

मिममगुठभजकल्यवयंउउः॥०७॥

मुःपगभेपिहुयभेडुहुजिठगिडा

इनःउहगमीविठेभभुमपिभेप

पभभग॥३०॥उंठहुभीयभठजिः

भीउडुयिमनभयउउमडेपुमयय

पुषके  
निकमि  
विमिमुम  
मलउडा

गोवनर  
ककना  
पुसना  
उमया

ग  
भलन  
गोकिगु  
प्रसकव  
किगुरुमु  
मुवभुप  
भन

यवकी

का

मृति

ना

षकनकि

नयके

गुठदि

गोमुउमगा

मिमिडिने

यउ/वयेमाभु  
कमिउध



ॐ यथावेत्तु उभवेत्तु ॥ १० ॥ भाकवेत्तु

निगकगवतुचवफिगवव, ठडिभड

इति नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥

यस्य शङ्करभा भक्त्या भुवा  
सुभिन्नैव एराहृदहृदभुक्तिभउःश्रुति

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥

गुरुठञ्जिः परठञ्जिठञ्जि चिसुभरुसु

३, दुयिमभुमिचमचठडि, इभकिभ

५०॥१८॥ ठञि ढञिः पठञि ढञि

३५४५६७८९१०१११२१३१४१५१६१७१८१९२०२१२२२३२४२५२६२७२८२९३०३१३२३३३४३५३६३७३८३९४०४१४२४३४४४५४६४७४८४९५०५१५२५३५४५५५६५७५८५९६०६१६२६३६४६५६६६७६८६९७०७१७२७३७४७५७६७७७८७९८०८१८२८३८४८५८६८७८८८९९०९१९२९३९४९५९६९७९८९९

किङ्कभुपरंइयि॥७१॥यउमिभच

मैठानं भूभवापनिगीमउडा, इषित्त

मिथेनेमि गयिऊ  
उपहसनमेरु राउ

<sup>संगति</sup> भवने सुमि <sup>गाभमुजवा</sup>  
 गृभरं संस्थापयामि तद्भा ॥ १० ॥

सुखमकममवहृहृधंभंरमनप्रति

<sup>विभा</sup> <sup>विग</sup> <sup>कृत्य भग</sup> <sup>कृ</sup> <sup>का</sup>  
 ठवडरवियेगेभित्तणयत्तिठवझधः॥ ७१॥

मंभरभमभेवहृकंमिदुंपरिगृहम।

भूमिचरैः सुतैः वडैः पुष्टिभुजैः यद्वैः

३३ ॥ धर्म्मसन्ध्यापनमभुजमभ

अविस्मय मिषय पूलयेडुवभग्नभ

यं शुद्धं भूयं गुणं भिन्नं च ॥ १७ ॥ परं

भस्मगुणप्रचउयभचमयमी

मिडहसुहा सधगपिउधैवउययमं

॥ ३ ॥

[illegible]



उठ्ठानं मम मम ॥ ८ ॥ ठ्ठानं मम

बुद्धभाष्यनभुषिकः भूमः ॥ ७ ॥ ए



येउकुंरु  
गभागालावे  
उपिकुंरु

केवनउपकावनेभा

केठकएनकठवडुएभरुइवे यहुं  
प्रउउकिप्रिउजएवविमडिउ ॥००॥

उहुप्रिमिउयेभिउधडिंसउडुकम

ठिः कयवक्लिउमेधुहुंरुयैडुंभम

विठे ॥००॥ ठवडुएभयभहुंमभुगभ

पिनेभम प्रयउकलःभकलेधुनउ

पीयमउये ॥०१॥ ठवडुएभउमभठ

गलभएठविउ विवचउभुनमिनंभ

ममठलउभम ॥०३॥ एगमिलय

भाउउभपेकरभरिठर उमवेडुंभरुडु

नभजवभीयभचम ॥०५॥ सुमेधवभ

गलउदि मठवभा मिडे

निवाकनके

नगुडि विमुमभगलभनः भमनिवेहु

उठऊः धुधुधएविणउव ॥०१॥ मपि

धुयैवविधयनिभः कयवउयः ठ

ऊनं प्रधयडिउहुएजभभउभयभा ॥०२॥

ठऊनं ठकिभंरगभरुधु विवमउरुम

केडिनिच कडः धाडुडुएभउभहु

नउ ॥०१॥ भउउं डुहुमहुजभपथ

नभरुइवः उहुभरुं कंभपुडिकेउ

मनचकलउभा ॥०३॥ मउरुयभ

भीमनपुडिकमहुंहुंभा ठवडु

एभउपनभमधुमभरुभमभा ॥०५॥

उठाकि  
हिभनभा  
कामना  
यमिनेउ  
महुनवि  
नमु

ठके  
भुतापकेका  
येप्रकायकु  
ठके

विमिभउ  
पकिउक  
न

वैमकनके  
यमिनेउ  
उमिभिके भउ

सुसुजकिउ

भुयकु  
मुह  
यपेके  
नमे

ठा  
दल्लयभकि  
उमि  
ठकिठे  
मुयमागमि  
उमभभिता  
साउभय  
कहिणलभा  
ठउने

मुमिउरुनेयकुने  
उभकने

साउकाः  
भामेकीसभ  
नःदंभुमवा

यगापुउः  
प्रुडिभाया  
उ

ठकेमुनं



३। सुकैः ॥ मि कि के वा  
यवत्रलबुभुदुएभृणधमभकेइवः

उत्तराध्यायः ॥ १॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय  
कञ्जानं विधाय त्रुधरुभाय भाद्रिनेत्रे

भा. मयडुभिमुंडुभक्तिः प्रथम

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

धामधिसुलभम् । केवलं विमग्नम् ॥

ॐ निज कृपामय  
ठवट्टएभमिन्मः ॥ ११ ॥ चरुं कति

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

विधिः कथिये च यः सुकलङ्कितः ॥ १३ ॥

कनमिठनकिकुमःकमभुद्विजवध

१. केवलभेदः केयुधभरुमवेयम

ॐ उन्नमयेयवति श्रीगणेशाय नमः  
सु३ ॥ १८ ॥ मन्त्ररूपमदसुसुठडि

पीयूषपेक्षितभा। रुचिदुग्धपयोग्यम्

गीगभिरभसुभ॥३५॥इहमप्रसभंठ

ग. पा. उ. ३: भ. वि. ३, कु. भ. ए. ग. उ. ३

माकः शुभ्रमधिः ॥ १० ॥ शुभ्रमधिः

मरभञ्जुभिकेधभुधिपुके, एयउमी

उलभसुठवडुएभकभः ॥११॥य

वदुभवरणाउधु एभभुगंठएरभ।

उच्चसंस्कृतिभावनप्रणमभुगठयानभ

क० भ० ए० य० डि० अ० भि० व० इ० म० क०  
वा । न । आ । ज । यज० प्र० य०

५. धातुपठपठपुनः कथयः सप्तमः

लभ ॥ ११ ॥







३३ भु३ ॥ ३३ ॥ पधपमलिभानुषडवव  
गविभादिनी  
अयेपानेपावभा

इमं ॥ ॥ ११ ॥ ॥ जिलगडुडुडुडु



राग कृमिये नमि

५८५५



॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

**मकल एन वडु मय गय मय चउ**

**एव किपु न पि ॥०३॥ ठि वमी य भिक**

**धिर सु उडु वि वगी डं क ड व ड पा ड भ जू**

**ड म भ व दि नं भ ड प मे धु सु म भ उ कर**

**उर गी भिय भ ड ॥०४॥ सा तु य र भ**

**प लि भु ड भ न ग ण डि म भु ड म द धु डः**

**भूठः भे द भान ल ला पि न ड न**

**भद उ रु म य द रि ॥०५॥ ॥०६॥**







५७  
५८  
५९

एयहप्रचरुतुःमिवभकुन्दपा

मपः॥०॥भचरुभुनिमयैकनिपान

हुंरुभुपिलंकिलनरुभा।सुधुभ

भनभनिणप्रुनडुभचपरिभप

भभुभा॥१॥हुरकभभयमिसु

भगुभचवधपभसुगव,धुधु

भुनिपिलधुपकजुधुवनभचठवकि

भुतुतु॥२॥विधभातिभधननरु

ननडुगुगुन,मठिलीयधनध

भभभुडुनयीगतिः॥३॥भुगुभ

लमगमिडुगुलडुलडुगुकडुमि

दिः,मिमुएनभनभनंविभयए

नरीपरुतभभठवतः॥४॥ककिन

धविभलंभापविधुंउवकंभभवलेक

यिउभि,यडुवहभुतप्रभुप्रचये

विभडुयडिलेकभमेधभा॥५॥पुत

भभभुमिउतवडुपंककिनधधभ

भउप्रः,प्रयडुगुविठमविभेडा

पुडिडुगुविवगलिभमभ॥६॥ड

मीयवडुगुभभडुभडुजुमपलभ

नडुपिमभनेनधकदिधमभुमी

पूडः॥७॥भभुडुकडुकडुववरं



३१

ग  
सुवक्रमा

मिठ उं ज  
कि गेठ  
ममलने







म. १२. १३. १४. १५. १६. १७. १८. १९. २०. २१. २२. २३. २४. २५. २६. २७. २८. २९. ३०. ३१. ३२. ३३. ३४. ३५. ३६. ३७. ३८. ३९. ४०. ४१. ४२. ४३. ४४. ४५. ४६. ४७. ४८. ४९. ५०. ५१. ५२. ५३. ५४. ५५. ५६. ५७. ५८. ५९. ६०. ६१. ६२. ६३. ६४. ६५. ६६. ६७. ६८. ६९. ७०. ७१. ७२. ७३. ७४. ७५. ७६. ७७. ७८. ७९. ८०. ८१. ८२. ८३. ८४. ८५. ८६. ८७. ८८. ८९. ९०. ९१. ९२. ९३. ९४. ९५. ९६. ९७. ९८. ९९. १००.

कवि  
यथा ग्रामकाव्येतिहृष्य  
उत्तिमिभय



1975







उत्तिष्ठ साजिक भिन्ने प्रणये संसंगमिदिः  
यमिह उभयं उदुयं उनाधिकं कतिः







ਮੇਵਗ ਪੁਤਲੇ  
ਉ

कचिदि पदे

ॐ नमो भगवते वासुदेवायः

भनभाउधनभाभदुए॥१॥सुभा

गल|गळुनिभा|बल|पळुनिभा|रुपे

॥ यथाप्युक्तं गतं भवति ॥

भारतस्य भूःसिवाभिनविःसुखं नृणां उद्यमः

रामबाड कृष्ण विष्णु मूर्ति स्तुति वार्ता गमनायकः  
सभागतये यथावत् उग्रावृत्तवदम् रत्नविशिष्ट ॥ घ/५९९ ॥



महापद्म एव गुरुभूतं सैव ससिकला उदेवम उरुम निरुसयन उलाकुडाय  
उदेवम उरुम निरुसयन उलाकुडाय  
उदेवम उरुम निरुसयन उलाकुडाय  
उदेवम उरुम निरुसयन उलाकुडाय

मीला उभन कि पावे रुद्रि भुक्ति ये भ  
गि भल्लय सुवरा क भुये भ भ भुवन

गहि उय भुगि भ भुन रि कला ॥ ३८ ॥

मिवना मटेडा समिकला उरुभा ५

कडा केडा भा पवन भा उ लेल किन

भिवले छेडेडा भा महुडे ले ठे भा उ भि

भा उ ॥ ३९ ॥ मिड उरुगी गगन रु भव प्र

निमेष सकिक भिये एन ल क्का मेट

हव गि रिम गं ड एने भू ल सुपना

ठेगी ड पक्का ॥ ४० ॥ पिना ग भुन

नमि भवे न रुडा ये भ ड वे ड भा गया

महापद्म एव गुरुभूतं सैव ससिकला उदेवम उरुम निरुसयन उलाकुडाय

महापद्म एव गुरुभूतं सैव ससिकला उदेवम उरुम निरुसयन उलाकुडाय

महापद्म एव गुरुभूतं सैव ससिकला उदेवम उरुम निरुसयन उलाकुडाय

पुत्रे साभु ड री रि य भ ठ ल कु भि

नर प मे ड प ड ल भे ॥ ३१ ॥ य व ड ग

मलि डे भा म भु ग कि ड कृ ण य व म लि

डे भु क ग च ना मि ड च प भु वि म ग भा

पि ड मि ड मे क भा व ना कृ प ना ॥ ३३ ॥

भ क र भा म भा उ म भा ने ग कि ड कि

भू व क भ भि ड ग भ लिन भाल व

ल र ना भिले ड ग कि ड डि ड ड ल ठ

भ क र वि म य ॥ ३७ ॥ य भ ले ठा उ भ

रु घा भ र डे भ भ ग ड ल गे ना म भा य

मे भ क र गं स ग पु गे उ भ भ गे वि के ना ध

भा ॥ ३० ॥

महापद्म एव गुरुभूतं सैव ससिकला उदेवम उरुम निरुसयन उलाकुडाय



कश्चिद्भुपि विवस्वतः कश्चिद्भुपि मभ्युत्तः । अतोपि कश्चि मभ्युत्तः ।  
उक्ता भुयस्त्वापुनः मभ्युत्तः ॥

नेत्राभक्तभक्तएविमक्तभक्त

एतन्ना कलनाश्वा, विमिष्टेयाउम्मे  
गर्भेयुक्तं सुवभासुवभिलेजगवा ॥५०॥

भक्तभाणनाभलाप्रलेभाभरभासु

मभिलठभाएनभाएन, भयिलिदि

दुभारिमिपनभाभगियाभियाउठन

वाकिंदा ॥ १३ ॥ किंदा डिमु निदिउ

उमै कि सुना/उमै ना निभग पि पि किं

डिब्रुगढ/कगड/मप्रउकिंछि/डिगुला

ॐ उ/उरि सि ॥ ३३ ॥ शुद्धमनुभू

नायभास्त्रभाषष्टनभिकपवनचुन  
मयिचेठिका मळ उद्गातः

यमवकलिभर्मिउमवगुरुधयंभुतः ॥ संभयद्वारवि

सङ्ख्येयं दृष्टुं कथं भवत्येवम् । किञ्चिदपि । ननु किञ्चिदपि ।  
किञ्चिदपि । ननु किञ्चिदपि ।

कडागवा, भयभाकल्हनाप्रतुःमष्टेश्व

संयत्तवत्पुत्रनृकभा॥३८॥ प्रह्वया

जिक गये भेन ठिणिक भुया ब्रूक ४५

ॐ भगवि, सुक्याभइयिभिमिडुधुगि ॥

उभाभभाभउह्वाकाकवि॥७५॥भंभ

गयि हीमृगु नडा मरुहे

अ/उभवेगपकमानेभोभरुअ

भविष्यं कुरु भवतु ॥ ३ ॥

मन्त्रिकः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

कावति नायक उदक

॥ सिद्धि कृति केने ॥ द्वि

मन्त्रिभ्योऽपुनर्मन्त्रिकास्तद्वत्तुम्माने  
॥ १० ॥

ल॥ ३१ ॥ यथैव प्रगच्छेत्तु भवति न वा  
 भवति कथितं मया भीमं तस्मिन् भवति न वा ॥ ३१ ॥

लेक हृदिनीं भागडा







गल गङ्गा नदी मुनिना नदिना उ

कर्म॥५०॥ एतद्दयया गेउकुउ

५७ गङ्गामा



यस्मिन्मयैरुदुपेकगिष्ठलाभा।

मन्त्रः सुत्रं यः पूजयितुं दत्तं सुत्रं विलम्बकं विना  
यस्तुतिं भक्तुं भक्तिं कर्तुं न लभेत् ॥ १० ॥

[illegible]

पद्मसंज्ञितः भद्रः पुत्रिष्ठितः पुत्रिभक्त



श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमः ॥ <sup>प्रादुर्भाव</sup> प्रणमः

५३: <sup>आ</sup> <sup>अभि</sup> <sup>यभा</sup> <sup>वक</sup> <sup>कान्त</sup> <sup>मयु</sup> <sup>यस</sup> <sup>०</sup> धृष्टुधृष्टिप्रचक्रभा, एवमवमि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

भमरुचमुक्तिभणपानयुवापिभन।लेक

यद्वा एतद्वा निडं विप्रभः ॥ १ ॥

<sup>अभि</sup> <sup>भुवा</sup> <sup>ककिता</sup> <sup>नगराभा</sup> <sup>शुभवसिना</sup>  
 य००० लव्व वड्ड भयं कजि भउं वड्ड गव भिन भा,

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥

भद्राशुवमयेनममचमिन्नुपनातुः।

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥

एयत्तिठिपियधरभभववः

द्वितीयः प्रथमः द्वितीयः प्रथमः ॥

गोमेष्टया सुमेया गोसुष्टया गोमेष्टया

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

उजः भुगुभम, भुगुभम, भुगुभम

उठ एउं ये भूयं ठूयं उभूयं गुरु

अडये न भडमं मूर्तिमि ॥ अडये ॥ १ ॥

विष्णुपञ्चिकादि कर्माद्यैः शुभम्

मधुव्रतः सिद्धामदय उषवापदुः ॥ ७१ ॥  
माते धनिः — कर्मकृत् मि मि मेव य

इष्टं नृपतः सप्रणुतिवभाष  
भाषादि

पुनश्च भगवत्पराशरिभिरुत्तुम्भसूक्तम्

[illegible][illegible]

॥ ३५ ॥  
सर्वत्र भद्रं कुरु सर्वत्र ।



यमज्ञे

रंकि

नः

दभे  
रवने  
जेभु  
विम  
व

वधुधुधुभा, नवद्विधनविष्टविभ

मंडयभाहभाहभुभुमीपुंरुप्र

उयेनभडंमीमदि७प्रउये॥ ७ ॥

भचडुडुभिडि+दुलीरुडभिमेयभरु

भधिरुचउरभुभुव७उयडभन

मुनभुभुडीउरड, भचडुडुभरु

विदुडिभकिउंभमीसुगडंभुडःभिपु

उदुनभुगपगि७उंमैसुदभष्टकडभ॥ १० ॥

डडिमीभरुकलगभमरुपडिमीसडु

गमदविगमिउंमीमदि७प्रडिभुइं

भुडुभकसपानभकंभभप्रभा॥ ॥

मयवि  
उगयि  
मलिभादि  
भयलेभय

गो  
भमि  
का

डि

१०

गुरुनिवभनविभेद्रुदुवनववयिगिवः५मिधुः। दिवगीसंधुद्रविभ  
जगमंयवसिउंउंपरभेदुपायः॥ कुलनवाकुलकमनालगिया कुलनवा  
धिकेडुभुभुमाया। कुलयालगिकिरियाकि  
मकनगिगिउंदिनवाभनयाकुलाप्रवाया

भयभयडुपेलीवाकगिमिवाहिया

किउविमगविभयनउ  
वदिहधय

रुधुमिन/उपमस॥ ५५ ॥ कन्निवा

किं  
मैकी  
नः  
देवि

गुकाउकन्निवावनविभायेधेयाह

काउहिउधेयासुभा॥ ५६ ॥ डगुगध

ग्भिगुगभरुवाठवाउभिप्र, अएन

उपनेकनभगडुकवडुगलिककवउ

उ॥ ५७ ॥ नठिभुनभामिडाएलव

उरुक्रभुनभामिमिगिभापा, वक्र

भुभाक्रियानमावकवडुक्रगवाउ

गलिककागवाउउ॥ ५८ ॥ ॥

डडिललयेगिनीवक्ररि॥ ५९ ॥

येसागुरुमद, साउमुपकाकरिमेउयगिगिगिउंउगमा डंमभुगुम,  
नवकरि। केभुगिउः भगुसा॥

कुडि

धउमः  
गुः

प्रउद

गो

कुकाउमपुः

मयनवभयनयि

यमुगिमेवभन

उउउउ

मयभभुने

पतिमुगुन

गुड

ममीपकुवडे

उवे



यस्य नाम भूषणम्

समस्त भूषणम्

यल्लेपवीउभभियल्लुधुउउपवीउनेपन

नले  
कुणव

हामि ॥ उडियल्लेपवीउपगमभउः ॥

उनेउडियनिसुमि मकेन मष

उपवीउयल्लुधुउउपवीउमकिन्नकगभु

मयेय  
मुअम  
कुवः

मीनवीउभउभिविवीउंकगुलधुउभ ॥

मिगिधुउं रेखा

ममिधुउंमवेउनंममिधुउंएपागिकम

उभिकेकममि  
रकुं ॥ भूषणममि  
रकुं

मउडिधुउंमवेउनंममिधुउंएपागिकम

मउडिधुउंमवेउनंममिधुउंएपागिकम

वसु येताभक  
भाउपविडा ॥  
गनेविडाप्रणमः  
पिवरुंके

मउडिधुउंमवेउनंममिधुउंएपागिकम

मउडिधुउंमवेउनंममिधुउंएपागिकम

मउडिधुउंमवेउनंममिधुउंएपागिकम

मउडिधुउंमवेउनंममिधुउंएपागिकम

मउडिधुउंमवेउनंममिधुउंएपागिकम

यगामिगिउडेडयनु

ॐ	०९	००	९३
९३	००	०९	२०
०९	२०	९३	००
००	९३	२०	०९

यडा  
रुधुवा  
म

उरभेगुगवे ॥ मउगमूंकगगुगप्र

मउक  
मउवि  
मउवि  
मउवि

पेपमिभंलापेडा, मउनमभउनेव

मउकेत  
निरु

मयारीलंममिधुउं ॥ मनेनधुम

मालेनमउगमूंकगगुगप्र

येभा  
मैवीर  
कुरावे  
मोपदा  
एपकि  
ग

मनेनमनी, मउविमकमवः मउ

मनेनमनी, मउविमकमवः मउ

मैवीर  
मैवीर  
मैवीर  
मैवीर

मनेनमनी, मउविमकमवः मउ

मनेनमनी, मउविमकमवः मउ

मनेनमनी, मउविमकमवः मउ











पुस्तक संख्या

संख्या १००

मि. ३

वि. ३

पु. ३

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥



**NATIONAL MISSION FOR MANUSCRIPTS  
MANUS DATA**

(III) DSO 00001 8430  
(IV) DSO 00001 8431

Record No.		Organization / Individual  8430, 143	
Name of the Institution	Oriental Research Library University Campus, Hazaratbal, Srinagar.	Communication Address	Department of Libraries and Research Municipal Complex, Karanagar, Srinagar.
Personal Collection <u>IV</u> - <u>Lakṣya-yogini-vākya</u>			
Title of the Text	<u>III</u> <u>Utpala-stotra</u>		
Other Title		Bundle No:..... Acc. No./Manuscript No. <u>1094-III, IV</u>	
Author	<u>Utpaldeva</u>	No. of Folios. <u>(1 to 98 from)</u> <u>64</u> Pages.....	
Commentary		Size of Mss. <u>18.4 cm x 12.6 cm</u>	
Commentator		Material: Paper/palm leaf/birch-bark/cloth/leather/others Missing portion <u>yes</u>	
Language	<u>Sanskrit</u>	Illustrations Complete/Incomplete <u>Complete</u>	
Script	<u>Sardar</u>	Condition: <u>Good</u> /bad/brittle/worm eaten/Fungus/Stuck	
Date of Manuscript		Source of Catalogue: <u>Descriptive</u> /Hand list/Alphabetical/Index card	
Key words		Colour of Manuscripts <u>Cream</u>	
Subject	<u>Stotra</u>	Remarks <u>loose folios</u>	

3.12.15